वसन *n.* (r. वस् induere s. अन) vestis. N. 13. 58.

वसन्त *m.* (r. वस् s. अन्त) ver. (Slav. *vesna* id.)

वसा *f.* 1) medulla. 2) adeps. A. 10. 54.

वसान *Part. praes. A.* r. वस् cl. 2. *q. v.*

वसु 1) *n.* (r. वस् s. उ) res, divitiae. N. 16. 2. 18. 19. 2) *m.* nomen cujusdam Geniorum ordinis octo numero. IN. 5. 24.

वसुधा *f.* (res *vel* divitias ferens, e वसु et ध in *fem.*) terra. N. 24. 42.

वसुधाधर *m.* (terram sustinens e praec. et धर tenens, sustinens) mons.

वसुन्धरा *f.* (e वसु res, divitiae, quod hac in compositione masculinorum normam sequitur - v. gr. 645. suff. अ - et धर tenens, ferens in *fem.*) terra. N. 2. 11.

वसुमती *f.* (a वसु s. मत् *in fem.*) terra. UR. 60. 13. *V.* वसुधा.

वस्क् 1. *A. i. q.* वष्क्.

वस्त् 10. *A.* (अर्दने *K.* वधे *V.*) vexare; occidere.

वस्त *m.* caper.

वस्ति *m. f.* (r. वस् s. ति) abdomen. AM.

वस्तु *n.* (r. वस् s. तु) res. HIT. 13. 18. 14. 4.

वस्त्र *n.* (r. वस् induere s. त्र) vestis. IN. 5. 11.

वह् 1. *P. A.* (anom. v. gr. 694.) 1) trahere, vehere *currum.* IN. 1. 7.: दश वाजिसहस्राणि हरीणां वातरंहसाम्। वहन्ति ये ... रथम्; N. 19. 16.: कथम् अल्पबलप्राणा वक्ष्यन्ती 'मे हया मम. *Pass.* curru vehi. DR. 6. 6.: महाजवैर् वाजिभिर् उह्यमानाः (cf. 6. 10.). 2) curru vehere alqm. A. 10. 18.: उवाह मान् ततः शीघ्रं हिरण्यपुरम् अन्तिकात्। रथेन तेन ... मातलिः; MAH. 3. 13179.: सूतश्चो 'वाच शीघ्रम् मां वहस्व. 3) vehere, ferre. H. 1. 16.: मातरम् ... अवहत् स तु पृष्ठेन; MAH. 3. 11019.: कृष्णाश्च यमजौ तथा। एको ऽप्य् अहम् अलं वोढुम्; 11020.: अन्येच ... सर्वान् वो ब्राह्मणैः सार्धं वक्ष्यन्ति. 4) uxorem ducere. MAH. 1. 3377.: नाहुषाङ्ग वहस्व माम्; 3. 10482.: इदम् भार्याशतम् ... पुत्रार्थिना मया वोढम् (nota formam वोढ pro ऊढ); R. Schl. I. 73. 36.: ऊहुर् भार्याः. 5) manare, fluere. N. 23. 15.: छन्देनचो 'दकन् तस्य वहति. 6) spirare, flare. GITA-GOV. 5. 2.: वहति मलयसमीरे. — *Caus.* वाहयामि, °ये. I. *P.* 1) facio ut vehant *equi*, aurigare. MAH. 4. 1832.: क्षिप्रम् उत्तर वाहय; MAH. 1. 4014. 2) advehendum, afferendum curare. RAGH. 5. 32.: उष्ट्रवामीशतवाहितार्थम् प्रजेश्वरम्. — पन्थानं वाहयितुम् viam calcare, terere (facere ut via ferat). RAGH. 16. 12.: वाह्यते राजपथः शिवाभिः. II. *ATM.* वाहये facio ut quis me curru vehat. R. Schl. II. 92. 13.: दक्षिणेन मार्गेन ... वाहयस्व. — तरिं वाहये nave vehor, navigo (*proprie* facio ut navis me vehat). MAH. 1. 4014. (Lat. *veho, veha, vea, via,* ejecto *h* sicut in hib. *feon* currus = वाहन q. v.; gr. ἔχω, ὄχος; lith. *wez'u* curru veho = वहामि, *waz'óju* navigo = वाहयामि; slav. ВЕЗѹ *veζû* veho; goth. *ga-VAG* movere (*ga-viga, -vag, -vêgum*) *vigs* via, *vagja* moveo = Caus. वाहयामि, v. gr. comp. 109[a]. 6.); germ. vet. *WAG* movere (*wigu, wag, wâgumês*), *wegiu* moveo, *waga* commotio, *wâg* m. gurges, vorago (unde nostrum *Woge*), *wagan* currus, vehiculum.)

c. अति *Caus.* 1) perferre, tolerare. RAGH. 13. 28.: अतिवाहितानि मया कथञ्चिद् घनगर्जितानि. 2) transigere *tempus.* RAGH. 9. 70.: अतिवाहयाम्बभूव ... त्रियामाम्; 19. 41.: ऋतून् अत्यवाहयत्.

c. अधि अध्यूढा femina, cujus maritus aliam duxit uxorem; Wils. «*a superseded wife*» (cf. 2. विद् praef. अधि) MAH. 2. 2332.

c. अप auferre. MAH. 1. 2939.: अपोवाहच वासो ऽस्य मारुतः. — *Caus.* auferendum, avehendum curare. R. Schl. I. 1. 51. II. 9.

c. आ adducere, afferre. SA. 3. 19.

c. आ praef. उत् trahere, vehere, *de equis.* DR. 7. 10. (MAH. 3. 15704.): आजानेया बलिनः साधुदान्ता महाबलाः शूरम् उदावहन्ति. — भार्याम् उदावोढुम् uxorem ducere. MAH. 1. 3829.: अर्जुनः ... भगिनीं वासुदेवस्य सुभद्राम् भार्याम् उदावहत्; 3831.: नकुलः ... करेणुमतीन् नाम भार्याम् उदावहत्.